भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2112

15 दिसम्बर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान

2112. श्री संजय भाटिया:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत नौ वर्षों और चालू वर्ष के दौरान विकसित की गई नई आयुष औषधियों का ब्यौरा क्या है;
(ख) होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थानों को सुदृढ़ करके होम्योपैथी में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;
(ग) होम्योपैथी में जागरूकता के स्तर को बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;
(घ) पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्रों और दूर-दराज के क्षेत्रों में होम्योपैथी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं/किए जाने का विचार है;
(ङ) वर्ष 2014 से होम्योपैथी के क्षेत्र में अवसंरचनात्मक विकास का ब्यौरा क्या है; और
(च) क्या सरकार ने होम्योपैथी सहित आयुष पद्धति को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ एकीकृत करने के लिए कोई कदम उठाए हैं/उठाने का विचार है?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): पिछले नौ वर्षों और चालू वर्ष के दौरान विकसित की गई नई आयुष औषधियों का ब्यौरा संलग्नक-I में दिया गया है।

(ख): केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), आयुष मंत्रालय के तहत होम्योपैथी में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक शीर्ष निकाय है, जो नैदानिक अनुसंधान, औषधि प्रमाणीकरण, औषधि सत्यापन, औषधि मानकीकरण, मौलिक अनुसंधान और महामारी अनुसंधान जैसी अनुसंधान गतिविधियों को या तो अंतरवर्ती तरीके से या विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से संचालित करती है। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए, सीसीआरएच अपने 27 संस्थानों/इकाइयों और 07 होम्योपैथी उपचार केन्द्रों के माध्यम से पूरे भारत में कार्य कर रही है।

इसके अलावा, सीसीआरएच के अंतर्गत मौजूदा अनुसंधान संस्थानों/इकाइयों को सुदृढ़ करने के लिए, परिषद ने अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है जिसके तहत उसके अपने भवन हैं, नई प्रयोगशालाएं विकसित की जा रही हैं, मौजूदा प्रयोगशालाओं का उन्नयन किया जा रहा है जिसके तहत नैदानिक, नैदानिक-पूर्व/मौलिक/बुनियादी अनुसंधान के क्षेत्रों में उच्च स्तरीय अनुसंधान अध्ययन करने के लिए उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ब्यौरा संलग्नक-II में दिया गया है।

(ग): होम्योपैथी में जागरूकता के स्तर को बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा संलग्नक-III में दिया गया है।

(घ): आयुष मंत्रालय, होम्योपैथी सहित आयुष पद्धतियों के समग्र विकास और संवर्धन के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों और दूर-दराज के क्षेत्रों सहित देश भर में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना कार्यान्वित कर रहा है और एनएएम दिशा-निर्देशों के प्रावधानों के अनुसार उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार उन्हें वित्तीय सहायता दे रहा है। मिशन में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित के लिए प्रावधान किए गए हैं:

(i) होम्योपैथी और स्वास्थ्य उप-केंद्रों सहित मौजूदा आयुष औषधालयों का उन्नयन करके आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का संचालन।
(ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में होम्योपैथी सहित आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना।
(iii) होम्योपैथी सहित मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।

(iv) मौजूदा सरकारी/पंचायती/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराये पर/जर्जर आवास में) के लिए भवन का निर्माण/होम्योपैथी सहित नए आयुष औषधालय की स्थापना हेतु भवन का निर्माण।

(v) होम्योपैथी सहित 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।

(vi) होम्योपैथी सहित सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक दवाओं की आपूर्ति।

(vii) उन राज्यों में होम्योपैथी सहित नए आयुष कॉलेजों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।

(viii) आयुष स्नातकीय संस्थानों के बुनियादी ढांचे का विकास।

(ix) आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों के बुनियादी ढांचे का विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

(ङ): वर्ष 2014 से होम्योपैथी के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास का ब्यौरा संलग्नक-IV में दिया गया है।

(च): आयुष चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ जोड़ने के लिए, आयुष मंत्रालय ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना की कार्यनीति अपनाई है, जिससे रोगी एक ही जगह पर होम्योपैथी सहित विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों का विकल्प चुन सकते हैं। आयुष चिकित्सकों/पैरामेडिक्स की नियुक्ति और उनके प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सहायता दी जाती है, जबकि आयुष के बुनियादी ढांचे, उपकरण/फर्नीचर और दवाइयों के लिए सहायता राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत आयुष मंत्रालय द्वारा साझा जिम्मेदारियों के रूप में प्रदान की जाती है।

*****

क. पिछले नौ वर्षों के दौरान केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) द्वारा विकसित औषधियां

औषधि मानकीकरण के तहत औषधियों के नाम	नैदानिक-पूर्व सुरक्षा विषाक्तता अध्ययन के अधीन औषधियों के नाम	नैदानिक अध्ययन के अधीन औषधियों के नाम	नैदानिक अध्ययन पूरा हो चुकी औषधियों के नाम
आयुष – मानस आयुष – एजी आयुष – पीजी	आयुष – एचआर	आयुष – एम3 – माइग्रेन और उच्च रक्तचाप	आयुष पीजे-7 – डेंगू
आयुष – 56	आयुष-एसडीएम टैबलेट	आयुष – ए – अस्थमा	आयुष क्यूओएल – 2सी – कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता
आयुष – एचआर	आयुष – पीके अवलेह	आयुष – एसआर – व्यावसायिक तनाव	आयुष रसायन ए एंड बी – वृद्धावस्था स्वास्थ्य
आयुष – 64	आयुष – एसएस गैन्यूल्स	आयुष – पीटीके – एटीटी प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी	आयुष – पीई आई ड्रॉप – कंजेक्टिवाइटिस
आयुष – एसजी	आयुष – एलएनडी	आयुष – जीएमएच – नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी यकृत रोग	सी – 1 तेल घाव भरने के लिए
आयुष घुट्टी	आयुष – 64	आयुष – एचआर- प्रि-हाइपरटेंशन	आयुष – डी – प्रि-डाइबिटिज़ और डाइबिटिज़
आयुष केवीएम सिरप	आयुष एसजी – 5	आयुष बीआर लेहम – मध्यम कुपोषण में	आयुष – एसएल – फाइलेरिएसिस
आयुष – एम3	आयुष – वी13	आयुष आरपी – सिकल सेल एनीमिया	आयुष – 64 (पुनर्प्रयोजन) – (i) मलेरिया (ii) हल्के से मध्यम कोविड-19
आयुष – एसएस ग्रैन्यूल्स	आयुष वी – 24	कार्क्टोल एस- सीरोलॉजिकल रूप से रिलैप्स्ड डिम्बग्रंथि का कैंसर	आयुष – एजीटी – डैंड्रफ
आयुष – एससी3	पद्मकांत योग	आयुष मानस –संज्ञानात्मक कमी	आयुष – एजीटी – घाव भरना
आयुष – एसआर	आयुष – पीटीके	–	आयुष सीसीटी – आपरेशन के बाद हृदय देखभाल
आयुष-पीटीके	–	–	आयुष एसएस ग्रैन्यूल्स – लैक्टेशन की अपर्याप्तता
आयुष-जीएमएच	–	–	आयुष एलएनडी – असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव (एयूबी)
आयुष-पीवीके जैल	–	–	आयुष पीवीके जैल – श्वेत प्रदर (ल्यूकोरिया)
आयुष- एनटी कैप्सूल	–	–	आयुष एनटी कैप्सूल-सोरियासिस
आयुष – एलके जैल	–	–	–
आयुष – एसएल	–	–	–
आयुष – डी	–	–	–
आयुष – कार्कटोल्स	–	–	–
आयुष – सीसीटी	–	–	–
आयुष – 82	–	–	–
आयुष – एजीटी	–	–	–

ख. पिछले 9 वर्षों में केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) द्वारा विकसित औषधियां

1. कोलियस फोरस्कोली,
2. कैथरैन्थस रोसियस,
3. सिमेटिडाइन,
4. ओमेप्रेजोल और
5. एडनसोनिया डिजिटाटा

ग. पिछले 9 वर्षों में केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) द्वारा विकसित औषधियां

1. उच्च रक्तचाप: यूएनआईएम-904
2. मधुमेह मेलिटस: यूएनआईएम -221
3. विटिलिगो: यूएनआईएम-001+ यूएनआईएम-004

4. हेपेटाइटिस: यूएनआईएम-104
5. मलेरिया: यूएनआईएम-एचई-2
6. डियोडिनल अल्सर: यूएनआईएम-701
7. हेपेटाइटिस: यूएनआईएम-105
8. ब्रोन्कियल अस्थमा: यूएनआईएम-351

संलग्नक-II

होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदम

1. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्योपैथी), जयपुर, राजस्थान को केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान में उन्नत किया गया।
2. मनोविकार संबंधी रोगों के उपचार के लिए कोट्टायम सुथित केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्योपैथी) को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआईएमएच) में उन्नत किया गया है और यह दो विषयों अर्थात चिकित्सा अभ्यास (13 सीटें) और मनोविकार (12 सीटें) में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान कर रहा है।
3. मुंबई में क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (आरआरआईएच) और क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आरआरआईयूएम) दोनों के लिए अपना संयुक्त भवन का निर्माण।
4. एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए छात्रावास ब्लॉक का निर्माण।

प्रयोगशाला सुविधाओं की उपलब्धता:

1. होम्योपैथी में अनुसंधान करने के लिए डॉ. अंजली चटर्जी क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, कोलकाता में विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला और पशु घर।
2. डॉ. डी.पी. रस्तोगी केंद्रीय अनुसंधान संस्थान नोएडा में 04 प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं (फार्माकोलॉजी लैब, रसायन प्रयोगशाला, वनस्पति प्रयोगशाला, माइक्रोबायोलॉजी जिसके साथ होम्योपैथी में अनुसंधान करने के लिए पशु गृह है। ये प्रयोगशालाएं होम्योपैथिक दवाओं की प्रतिक्रियाओं का पता लगाने, आधुनिक तकनीकों जैसे एचपीटीएलसी, स्पेक्ट्रोमीटर, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर उपकरण, आरटीपीसीआर, बीएसएल-2 प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ एलिसा रीडर के जरिए होम्योपैथी में प्रयुक्त कच्चे माल के मानकीकरण के लिए जिम्मेदार हैं)।

आईटी का सुदृढ़ीकरण:

1. सूचना एवं प्रौद्योगिकी आधारित पहल जैसे रिकॉर्डिंग हेतु सॉफ्टवेयर, पूर्ण रूप से स्वस्थ मानव पर डेटा प्रदान करना, होम्योपैथी से सफलतापूर्वक उपचारित मामलों की रिकॉर्डिंग के लिए होम्योपैथिक नैदानिक केस रिपॉजिटरी (एचसीसीआर) पोर्टल, आयुष अस्पताल सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली (एएचआईएमएस), सीसीआरएच ई-लाइब्रेरी की शुरुआत की गई।

   राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान (एनआईएच) कोलकाता ने निम्नलिखित संस्थानों/संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं-

   i. एआईआईएमएस, रायपुर - चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल गतिविधियों के लिए।
   ii. आईआईटी खड़गपुर - अनुसंधान गतिविधियों के लिए।
   iii. एनआईपीईआर, कोलकाता - अनुसंधान गतिविधियों के लिए।

संलग्नक-III

होम्योपैथी में जागरूकता का सूतर बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदम

1. आयुष मंत्रालय ने केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) के अधीन तत्कालीन केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम, केरल को 2016 में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआईएमएच) में उन्नत किया है जिसके तहत मनोरोग विज्ञान और चिकित्सा अभ्यास में स्नातकोत्तर एमडी (होम.) पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। चिकित्सा अभ्यास में 13 सीटें और मनोरोग विज्ञान में 12 सीटें हैं।

2. [illegible]

□□□□□□□□□/□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ (□□□□□□□), □□□□□□, □□□□-□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□, □□□□□□□, □□□□□□□□□□□□□□□, □□□□ □□□□□□□□□, □□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□, □□□□□□□□□□

3. राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान (एनआईएच) कोलकाता, जो आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है, होम्योपैथी में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए ओपीडी चला रहा है। एनआईएच, कोलकाता में, पीजी छात्रों के लिए सेमिनारों के जरिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसके अलावा, इस संबंध में, बीएचएमएस छात्रों के लिए फाउंडेशन कार्यक्रम और इंडक्शन कार्यक्रम शामिल किए गए हैं ताकि मनोविज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रबुद्ध व्यक्तियों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा कराई जा सके।

संलग्नक-IV

2014 से होम्योपैथी के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित ब्यौरा

क. 2014-15 से 2022-23 तक एनएएम के तहत सहायता प्राप्त प्रमुख इकाइयों की स्थिति:-

(i) होम्योपैथी सहित एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए 137 इकाइयां को सहायता दी गई।

(ii) बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए होम्योपैथी सहित 315 आयुष अस्पतालों और 5023 आयुष औषधालयों को सहायता दी गई है।

(iii) प्रत्येक वर्ष में औसतन 2375 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), 713 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और 306 जिला अस्पतालों (डीएच) को होम्योपैथी सहित औषधियों और आकस्मिकता की आवर्ती सहायता के लिए सह-स्थापना हेतु सहायता दी गई है।

(iv) होम्योपैथी सहित नए आयुष शिक्षण संस्थानों की स्थापना के लिए 13 इकाइयों को सहायता दी गई है।

(v) बुनियादी ढांचे, पुस्तकालय और अन्य चीजों के उन्नयन के लिए होम्योपैथी सहित 77 स्नातकीय और 35 स्नातकोत्तर आयुष शैक्षिक संस्थाओं को सहायता दी गई है।

(vi) होम्योपैथी सहित 12500 आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को मंजूरी दी गई है।

ख. राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, दिल्ली (एनआईएच, कोलकाता का एक अनुषंगी संस्थान) की स्थापना वर्ष 2022 में नरेला, दिल्ली में की गई है। इस संस्थान को 100 बिस्तरों वाले रेफरल अस्पताल के रूप में विकसित किया गया है और यह दिल्ली और इसके आसपास के रोगियों की देखभाल के लिए ओपीडी चला रहा है।

ग. देश में होम्योपैथी चिकित्सा संस्थानों की संख्या 192 (2014 में) से बढ़कर 277 (2023 में) हो गई है।

घ. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्योपैथी), जयपुर, राजस्थान को केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान में उन्नत किया गया।

ड. कोट्टायम स्थित केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्योपैथी) को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआईएमएच) में उन्नत किया गया और यह दो विषयों यथा चिकित्सा अभ्यास (13 सीटें) और मनोरोग विज्ञान (12 सीटें) में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान कर रहा है।

च. मुंबई में क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (आरआरआईएच) और क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आरआरआईयूएम) दोनों के लिए स्वयं के संयुक्त भवन का निर्माण।